जीवन म सम्पूण सुख के लिए भौतिकता के साथ आध्यात्मिक समावेश जरूरी-दादी जानकी

वैज्ञानिक एवं अभियन्ताओं के सम्मेलन म जुटे प्रतिभागी

आबू रोड: 5 नवम्बर, निसं। मनुष्य अपने जीवन म सुख और शांति के लिए भौतिक विकास के लिए पूरा जीवन बीता देता है। परन्तु यदि जीवन म सम्पूण सुख चाहिए तो वैज्ञानिक आधार पर भौतिक विकास म आध्यात्मिकता का समावेश जरूरी है। इसके बिना विकास तो होगा परन्तु सुख और आनन्द का हमेशा अभाव रहेगा। उक्त उदगार ब्रह्माकुमारीज संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे वैज्ञानिक एवं अभियन्ता प्रभाग द्वारा शांतिवन म आयोजित वाह वाह जिन्दगी विषय पर आयोजित सम्मेलन म बोल रही थी।

दादी ने सम्मेलन म सहभागियों से आह्वान किया कि मौजूदा समय म विज्ञान के साथ अध्यात्म को साथ लेकर चल। पिछले कुछ वर्षों म आध्यात्मिकता और योग के प्रति लोगों का रूझान बढ़ा है। मनुष्य की वाह जिन्दगी वाह तभी हो सकती है जब वह आध्यात्मिकता और राजयोग को जीवन म शामिल करेगा।

नेपाल के शहरी विकास एवं भवन निमाण विभाग के उपमहानिदेशक मोनी राम गेलाल ने कहा कि भारत और नेपाल एक आध्यात्मिक देश है। परन्तु यह देखने म आया है कि विश्व के कई देशों म विकास तो हुआ परन्तु मानवीय मूल्यों का अकाल दुख दायी रहा है। इसलिए आध्यात्मिकता को साथ रखना जरूरी है। आपातकाल प्रबन्धन संस्थान भोपाल के निदेशक डा0 राकेश दुबे ने कहा आपात काल की स्थिति को समाधान के लिए आन्तरिक आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता है। बाद म तो सारी चीजे अपने आप ही मैनेज म हो जाती है।

ब्रह्माकुमारीज संस्था के महासचिव बीके निवर ने कहा कि विज्ञान और अध्यात्म के सहयोग से ही मनुष्य की वाह वाह जिन्दगी बन सकती है। अध्यात्म के बिना विज्ञान लंगड़ा है। आज पूरे विश्व म जिस तरह से तेजी से विकास हुआ है, यह जरूरी है परन्तु आध्यात्मिकता के बिना मूल्यों की कमी मानव समाज को विनाश की ओर ढकेल रही है। शहरी विकास मंत्रालय के संयुक्त सचिव सम्भू केसी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान जिस राजयोग की शिक्षा दे रही है वह केवल विज्ञान ही नहीं बल्कि सभी वर्गों के लोगों के लिए जरूरी है। यह सम्मेलन कई मायनों म अहम होगा।

विज्ञान एवं अभियन्ता प्रभाग की अध्यक्ष बीके सरला, राष्ट्रीय संयोजक बीके मोहन सिंघल, मुख्यालय संयोजक बीके भरत, संस्था के कायकारी सचिव बीके मृत्युंजय समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

यह सम्मेलन तीन दिन तक चलेगा जिसम वैज्ञानिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास पर चचा होगी।

फोटो, 5एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 सम्मेलन को सम्बोधित करते अर्तिथि, उदघाटन करते अर्तिथि, सम्मेलन म उपस्थित लोग।